आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :12 अंक :306 पृष्ठ -4 दिनांक 08 नबम्बर 2024 दिन शुक्रवार

प्रयागराज में संतों की बैठक में जमकर हंगामा, आपस में भिड़े दो गुट, एक-दूसरे पर बरसाए थप्पड़

प्रयागराज महाकुंभ को लेकर अखाड़ों की बैठक में जमकर हंगामा

प्रयागराज महाकुंभ को लेकर अखाड़ों की बैठक में जमकर हंगामा हो गया. संत महात्माओं में आपस में जमकर मारपीट हुई. अखाड़ों से जुड़े संतों ने एक दूसरे पर थप्पड़ बरसाए, इतना ही नहीं लात घूंसे भी चले. महाकुंभ के मेला प्राधिकरण के अखाड़ों की बैठक कार्यालय में होनी थी. अखाड़ा परिषद इन दिनों आपस में दो गुटों में बटा हुआ है. दोनों गुटों के पदाधिकारी इस बैठक में आमने–सामने हो गए और वाद विवाद के बाद मारपीट भी हुई.दरअसल मारपीट की वजह से देर तक अफरा–तफरी का माहौल रहा. संतो के बीच हुई आपसी मारपीट की वजह से बैठक भी नहीं हो सकी. बता दें कि प्रयागराज मेला प्राधिकरण के दफ्तर में बैठक होनी थी. प्राधिकरण ने बैठक के लिए अखाड़ा परिषद के दोनों गुटों को बुलाया था. औपचारिक तौर पर बैठक की शुरुआत होने से पहले ही हंगामा शुरू हो गया. मारपीट की इस घटना में कुछ संतो को मामूली चोट भी आई हैं. मिली जानकारी के अनुसार पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र गिरी की मौत के बाद से ही अखाड़ा परिषद दो गुटों में बटा हुआ है.इस मामले को लेकर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने कहा कि जमीन

आवंटन को लेकर विवाद है, कुछ संतों की तरफ से हंगामा हुआ. महाकुंभ के लिए जमीन आंवटन को लेकर संत आपस में भिड़े, दोनों गुटों को बैठक के लिए बुलाया गया था. निर्मोही अखाड़े के अध्यक्ष राजेंद्र दास ने कहा जब भी कोई मेला होता है तो जो अखाड़े के पदाधिकारी हैं उन्हें बुलाया जाता है. लेकिन कुंभ मेले में ये दो तीन बार हुआ है कि पदाधिकारियों को न बैठाकर दूसरों को बैठाया जाता है जैसे जूना अखड़ा. जूना अखाड़ों को रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, झगड़ा करना और विवाद करना ही काम है. हम को वहां बैठने को जगह नहीं मिली तो हम बोले इस पर ही जूना अखाड़े प्रेम गिरी ने अटैक कर दिया. महाकुंभ में आएंगे 40 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ 2025 का सफल आयोजनसीएम योगी आदित्यनाथ कीप्राथमिकताओं में से एक है. ऐसे में यूपी सरकार इस आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है. महाकुंभ मेले में लगभग 40 करोड़ लोगों के प्रयागराज आने का अनुमान है, जो कि पिछले कुंभ मेले की तुलना में ढेड़ से दो गुना है. महाकुंभ में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं का मुख्य गंतव्य स्थल त्रिवेणी संगम है. त्रिवेणी संगम को शहर से जोड़ने वाली सभी सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है.

बुलडोजर एक्शन पर योगी सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने दी ये नसीहत

उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (6 नवंबर) को एक मामले की सुनवाई के दौरान कड़ी फटकार लगाई. अदालत के इस फैसले पर विपक्ष प्रदेश की सत्तारूढ़ सरकार पर हमलावर हो गया है.इसी कड़ी में फैजाबाद (अयोध्या) से समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा.सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मैं, मेरी पार्टी और मेरे नेता अखिलेश यादव इस तरह की अवैध कार्रवाई के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहे हैं और हम लोग लगातार इसका विरोध करते रहे हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय कानून में बुलडोजर से घर गिराने का कहीं कोई नियम नहीं है. अवधेश प्रसाद ने लगाए आरोप अयोध्या से सपा सांसद ने बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल खड़ा करते हुए कहा, ष्किसी व्यक्ति ने अगर बहुत बड़ा अपराध किया हो तो उसके लिए भारतीय कानून में मौत की सजा है, लेकिन बुलडोजर से उसका घर गिराना और एनकाउंटर कर देना यह कहीं भी नहीं है।

अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि ष्भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रदेश में हालिया सालों में न जाने कितनों घरों को विध्वंस किया है.ष उन्होंने कहा, ष्घर जब इस तरह से विध्वंस होता है, तो सारे परिवार के सामने कई तरह की समस्या खड़ी हो जाती है.सपा सांसद ने आदेश का किया स्वागत सांसद अवधेश प्रसाद ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि कोर्ट बहुत ही अच्छा फैसला दिया है. उन्होंने कहा कि मैं कोर्ट के फैसले का स्वागत और अभिनंदन करता हूं. कोर्ट का जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश भी स्वागत योग्य है. अवधेश प्रसाद ने तंज कसते हुए कि योगी सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार से सबक सीखना होगा. क्या है पूरा मामला?दरअसल, बुधवार को महारा. जगंज में साल 2019 में सड़क चौड़कीकरण के नाम पर घर गिराने को लेकर शिकायतकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. मामले की सुनावई के बाद चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यूपी सरकार के बुलडोजर कार्रवाई पर कड़ी फटकार लगाई. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ष्आप कैसे इस तरह से लोगों के घर गिराना शुरु कर सकते हैं.ष उन्होंने कहा, षबिना नोटिस के किसी के घर में घुसकर उसे गिराना अराजकता है. आप सिर्फ ढोल बजाकर लोगों से घर खाली करने और उन्हें गिराने का आदेश नहीं दे सकते हैं.ष सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता को योगी सरकार से 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया.

यूपी रोडवेज के 15 बस डिपो निजी कंपनियों के हवाले

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपने 15 बस डिपो को निजी हाथों के हवाले कर दिया है.अब इन डिपो में बसों की मरम्मत का कार्य प्राइवेट फॉर्म संभालेंगे. इन 15 बस डिपो में लखनऊ का अवध बस डिपो भी शामिल है.आपको बता दें कि परिवहन निगम की कार्यशालाओं की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से 19 डिपो के वर्कशॉप को आउटसो. र्सिंग के माध्यम से निविदा पर दिए जाने के लिए टेंडर किया गया था, इनमें से 15 डिपो की निविदा का अनुमोदन हो गया है.जिन 15 बस डिपो को निजी हा. थों में मेंटेनेंस के काम के लिए सौंपा गया है.वह बस डिपो हैं लखनऊ का अवध डिपो, नजीराबाद डिपो, हरदोई डिपो, जीरो रोड डिपो, ताज डिपो, देवरिया डिपो, साहिबाबाद डिपो, वाराणसी कैंट डिपो , सुल्तानपुर डिपो, झांसी डिपो,बलिया डिपो,बांदा डिपो ,बदायूं डिपो,इटावा डिपो और बलरामपुर डिपो हैं.मिली जानकारी के मुताबिक बसों के मेंटेनेंस का कार्य निजी कंपनियों को तकनीकी कर्मचारियों की कमी के कारण किया गया है.इन कंपनियों को दिया गया मेंटेनेंस का काम जिन कंपनियों को इन बसों के मेंटेनेंस का

काम दिया गया है. वह कंपनियां है, एसडीएल एंटरप्राइजेज,आरके ऑटोमोबाइल और श्याम इंटरप्राइजेज. शुरुआती तौर पर इनकी कार्यप्रणाली को देखने के बाद बाकी 100 डिपो में बसों के मेंटेनेंस का काम भी आने वाले दिनों में निजी कंपनियों को दिया जा सकता है. कार्यशालाओं में तकनीकी कर्मचारी और अधिकारियों की कमी के कारण परिवहन निगम की बसों में मेंटेनेंस की समस्या देखने को मिल रही थी.विभाग का ऐसा मानना है कि प्राइवेट कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के साथ बसों का का मेंटेनेंस करेगी.पीपीपी मॉडल के तहत विकसित होंगे स्टेशन राज्य सड़क परिवहन निगम ने जिन 23 स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बनाने की जो योजना बनाई है,उसके तहत 11 बस स्टेशनों के लिए काम करने वाली फर्म के साथ भी अनुबंध हो चुके हैं.ये बस स्टेशन बेहद आधुनिक और तमाम सुविधाओं से लेस होंगे. इनमें बस स्टेशन के साथ–साथ विभिन्न तरह के आउटलेट्स, मल्टीप्लेक्स जैसी सुविधाएं होगी और देखने में बेहद शानदार होंगे.

राहुल गांधी के बयान पर भड़क उठे दिनेश प्रताप सिंह

महाराष्ट्र के नाग. पुर में कांग्रेस नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी के एक बयान पर यूपी की सियासी हलचल तेज है. वहीं अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने पलटवार किया है. दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि, देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो नागपुर में बयान दिया है, दिशा की बैठक को छोड़कर उसमें मेरा पक्ष आना जरूरी है. बीजेपी नेता दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी को लेकर कहा क, आप तीन बार सांसद रह चुके हैं, उन संसदीय क्षेत्रों और संसद भवन ने आपको कैसे झेला होगा. आज आप नेता प्रतिपक्ष है, अच्छा होता कि सोनिया गांधी की तरह आप भी किसी लिखाकर बोलते तो शायद आपकी अज्ञानता, अक्षमता अयोग्यता छिप जाती. यह दुर्भाग्य ही है कि आप जैसे लोग सिर्फ एक परिवार में जन्म लेने के कारण यहां तक पहुंच गए, लेकिन आज देशवासी आपको सुनकर हंस रहे होंगे कि चार बार का सांसद यह न जान पाया हो कि दिशा की बैठक जनपद के विकास योजनाओं की निगरानी हेतु हर जनपद में आयोजित की जाती है. राहुल गांधी ने नागपुर में कहा कि दिशा की बैठक में जो परिचय ले रहा था तो वहां कोई दलित और पिछड़ा नहीं मिला. इस पर दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि, मेरा दावा है कि आप जांच कर लो कि वहां सब समाज के लोग थे. लेकिन आप सस्ती लोकप्रियता और देश में अशांति पैदा करने के लिए ऐसा भाषा बोल रहे हैं. उन्होंने पूछा कि, मेरा सवाल यह है कि जिसका आपको मनोनयन करना था उसमें से तीन आरक्षित को छोड़ दिया तो बाकी छ में चार अनारक्षित लोगों को आपने नामित किया है, तो आप ऐसा अनर्गल बयान क्यों दे रहे हैं.दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि, 1991 से 2022 तक का मैं ब्यौरा दे रहा हूं, जो कांग्रेस पार्टी में चार विधानसभा सीटों में प्रत्याशी बनाए हैं, जिसमें चार जनरल विधानसभा सीटें हैं, वहां किन किन को प्रत्याशी बनाया गया है. इसमें चार को छोड़ दिया जाए तो बागेश्वर क्षत्रिय और ब्राह्मणों को प्रत्याशी बनाए गए हैं. आप चाहते तो वायनाड से किसी दलित को या पिछड़े को प्रत्याशी बना सकते थे पर आपने वहां यह नहीं किया.मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि, राहुल गांधी जगह–जगह नफरत फैला रहे हैं, सद्भावना खत्म कर रहे हैं. राहुल गांधी सद्भावना बिगड़ रहे हैं. राहुल गांधी जो आग फैला रहे हैं उसे आपको ठंडा करने के लिए सबका साथ सबका विकास पर्याप्त है. आगे कहा कि, राहुल गांधी के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि भग. वान उनको सद्बुद्धि दें. उनके बयान से देश की गरिमा गिरती .है ऐसे अयोग्य संसद को अपमानित करने से बचना चाहिये. दिनेश प्रताप सिंह राहुल गांधी के खिलाफ लड़ा चुनाव राहुल गांधी और उनकी पीढ़ियां जो काम नहीं कर पाई है, वह इस काम की अपेक्षा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कर रहे हैं. राहुल गांधी बताएं कि कांग्रेस पार्टी में कितने दलित और पिछड़ों को केंद्र में, प्रदेश में, रायबरेली में दिया गया है. दरअसल नागपुर के एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा– श्जब वह रायबरेली में दिशा की मीटिंग गए, तब उन्होंने वहा बैठे अफसरों का नाम पूछ लिया, तो पता चला कि उसे ओबीसी–दलित अफसर गिनती के भी नहीं है. इस पर दिनेश प्रताप सिंह ने चिट्ठी लिखी है.

मुस्लिम परिवार की बेटी की है शादी, छपवाया हिंदू देवी-देवताओं वाला वेडिंग कार्ड, हिंदुओं ने किया सलाम

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में एक मुस्लिम परिवार की बेटी की शादी का कार्ड इस समय सुर्खियों बटोर रहा हैं. ऐसे में कार्ड के फेमस होने की सबसे बड़ी वजह उस पर छपी तस्वीर है. इस दौरान तस्वीर को जो भी देख रहा है वो हैरान हो रहा है. फिलहाल, शादी का ये कार्ड सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हिंदू देवी–देवताओं की फोटो छपी थी, जो इस समय काफी सुर्खियों का मुद्दा बना हुआ है. फिलहाल, शादी का कार्ड सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. उन्होंने कहा कि मेरी बेटी सायमा बानो की शादी 8 नवंबर को ग्राम सेन पुर पोस्ट सोठी महराज गंज रायबरेली के रहने वाले अब्दुल सत्तार से होनी है. ऐसे में मैंने अपने हिंदू दोस्तों और भाइयों को निमंत्रण कार्ड देने के लिए हिंदू रीति रिवाज के तहत शादी का कार्ड छपवाया है. इसमें हिंदू देवताओं की तस्वीर भी लगाई गई हैं. इस कार्ड में दूल्हा–दुल्हन और रिश्तेदारों के नाम तो मुस्लिम है. लेकिन, शादी का कार्ड पूरे हिंदू रीति के देवी देवताओं का फोटो छपा हुआ है. जिस पर शादी की तारीख 8 नवंबर और अलादीन गांव का है.श्री गणेश के साथ छपी हैं श्री कृष्ण की तस्वीरइस दौरान सायमा के पिता शब्बीर का कहना है कि उन्होंने कार्ड पर हिंदू देवी–देवताओं की तस्वीरें इसलिए छपवाई हैं, क्योंकि,समाज में एक पॉजिटिव मैसेज जाए और भाईचारे की भावना को मजबूती मिले. उनका मानना है कि इस फैसले से हिंदू–मुस्लिम एकता को मजबूती मिलेगी. साथ ही लोग एक–दूसरे के धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करेंगे.

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी छठ महापर्व की शुभकामनाएं,

आस्था के महापर्व छठ पूजा देशभर में आज बड़े ही धूमधाम से मनाई जा रही है. इस अवसर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देते, सूर्योपासना और लोक–आस्था के महापर्व छठ की प्रदेश वासियों को बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं. भगवान भास्कर और छठी माता की कृपा सभी के ऊपर बनी रहे. जय छठी मइया.उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने देश वासियों को छठ महापर्व की शुभक. ामनाएं दी है. उन्होंने अपने एक्स अक. ाउंट पर लिखा कि, श्सूर्य देव जी व उनकी बहन छठी मैया जी की उपासना एवं लोक आस्था के पावन पर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. इधर, समाजादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने छठ की शुभकामनाएं दी. शिवपाल यादव ने एक्स पर लिखा कि श्आप सभी को सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभक. ामनाएंश्महापर्व श्छठश पर हमरे ओर से आप सब माता–बहिन आ पूरा भोजपुरी समाज के लोगन के बहुत–बहुत मंगलक. ामना.उत्तरप्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने छठ महापर्व की सभी को बधाई दी है. उन्होंने एक्स पर लिखा कि श्सूर्य देव जी व उनकी बहन छठी मैया जी की उपासना एवं लोक आस्था के पावन पर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं. भगवान सूर्य देव व छठी मैया आप सभी को स्वस्थ रखें, आरोग्यता प्रदान करें एवं सुख, समृद्धि, संपन्नता का आशीर्वाद दें. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने देश वासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी है. प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा कि दुखवा मिटाईं छठी मइया, रउवे असरा हमार, सबके पुरावेली मनसा, हमरो सुन लीं पुकार. सूर्यदेव की उपासना, प्रकृति पूजा एवं लोक आस्था के महापर्व श्छठ पूजाश की हार्दिक शुभकामनाएं. छठी मैया आप सबके जीवन में सुख, समृद्धि एवं शांति का संचार करें. जय छठी मैया

नोएडा के GIP मॉल में महिला ने चौथी मंजिल से कूदकर की सुसाइड, तलाक के केस को लेकर थी परेशान

नोएडा के जीआईपी मॉल के चौथे फ्लोर के एग्जिट से नीचे जाने वाली सीढ़ियों से दिल्ली की रहने वाली एक महिला ने बुधवार शाम छलांग लगा दी. महिला की मौत हो गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है. बताया जा रहा है कि महिला का अपने पति से तलाक को लेकर केस चल रहा था.जानकारी के मुताबिक, नोएडा के सेक्टर–39 स्थित जीआईपी मॉल में एक महिला ने मॉल की चौथी मंजिल की इमरजेंसी एग्जिट की सीढ़ियों से कूदकर सुसाइड कर लिया. महिला की पहचान 36 साल की आकांक्षा सूद के रूप में हुई. महिला करावल नगर, दिल्ली की रहने वाली थी. घटना बुधवार रात की है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है. महिला के पास से कोई सुसाइड नहीं मिला है.एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि परिजनों से पूछताछ में मृतका के भाई–भाभी ने बताया कि हम लोग दिल्ली के रहने वाले हैं. मृतका की शादी वहीं पर हुई थी. नोएडा से कोई संबंध नहीं है. शादी के 15 दिन बाद महिला का अपने पति से विवाद हो

गया था. जिसका तलाक का केस चल रहा था. इसके कारण महिला मानसिक तनाव में रहती थी. इसी के चलते उसने सुसाइड किया.मॉल में अकेले आई थी महिलाथाना सेक्टर–39 के प्रभारी ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई और जांच की जा रही है. परि. जनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं. मॉल में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा जा रहा है. बताया गया कि महिला अकेले ही मॉल में आई थी. यहां घूमने के बाद वो चौथे मंजिल पर गई. एग्जिट गेट पर बनी सीढ़ियों से कूद गई. बता दें इन सीढ़ियों से बहुत कम लोग ही आते–जाते है. ऐसे में यहां भीड़ नहीं रहती.डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया, ष्कल रात 9रू30 बजे के बाद ळप्ब मॉल के गेट नंबर 3 के पास फायर एग्जिट की सीढ़ियों से कूदकर एक महिला ने आत्महत्या कर ली. महिला के पास मिले आधार कार्ड और पैन कार्ड से पता चला कि वह करावल नगर की रहने वाली थी. उसके भाई और भाभी ने बताया कि उसकी शादी 2017 में हुई थी औरउसका तलाक का केस चल रहा है. वह हमेशा तनाव में रहती थी और उसी तनाव के चलते उसने आत्महत्या कर ली.

दिल्ली में सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, सोशल मीडिया पर चल रहा था अवैध खेल, पुलिस को ऐसे मिली सफलता

दिल्ली पुलिस को सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है. सट्टे की पर्चियां व्हाट्सऐप और टेलीग्राम पर भेजी जाती थीं. दिल्ली पुलिस की टीम ने 2 किलोमीटर पीछा कर सट्टा खिलाने के आरोपी को पकड़ लिया. आरोपी की पहचान मंडावली निवासी महबूब के रूप में हुई है. महबूब पहले मंडावली थाना इलाके में मटका जुआ भी खिलाता था. पुलिस की सख्ती के बाद उसने ऑनलाइन सट्टे का रुख कर लिया. पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि सट्टे का नंबर निकलने पर सटोरिए को 90 गुना रकम इनाम में मिलती थी. सट्टे का अस्थायी अड्डा नहीं होने से पुलिस की पकड़ का सटोरियों को खतरा नहीं होता था. महबूब की गतिविधियों पर पुलिस को शक हुआ. राह चलते फोन पर सटोरियों की पर्ची बनाई जा रही थी. पर्ची को व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भेजा जाता था. राह चलते संदिग्ध की गतिविधियों पर पुलिस को शक हुआ.दिल्ली में सट्टा रैकेट का भंडाफोड़पुलिसकर्मी पर्ची लिख रहे शख्स के पास पहुंचे. पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा. संदिग्ध का पुलिसकर्मियों ने दो किलोमीटर तक पीछा किया. आखिरकार पुलिस ने दौड़ाकर संदिग्ध को पकड़ लिया. पूछ. ताछ में महबूब नाम और निवासी मंडावली थाना इलाका बताया. उसने बताया कि सट्टा रैकेट चला रहा था. जेब की तलाशी लेने पर महबूब के पास से सट्टे की पर्चियां और 6 हजार नकदी बरामद हुए. महबूब के मोबाइल की जांच करने पर हजारों नंबर का पता चला है. माना जा रहा है कि मोबाइल में नंबर सटोरियों के होंगे. पुलिस ने बताया कि आरोपी को महबूब को गैंबलिंग एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया है. पूछताछ में खुलासा हुआ है कि सट्टे के अवैध खेल से मोटी कमाई भी होती थी. पर्ची का नंबर निकलने पर सटोरिए को 90 गुना राशि इनाम में दिया जाता था. दिल्ली में छठ पूजा पर बड़ी संख्या में लोग छठी मैया की पूजा करते हैं. दिल्ली सरकार भी छठ पूजा की तैयारियों पर काफी काम करती है. कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुमान के हिसाब से देश भर में तकरीबन 12 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान है. इस दौरान कपड़े, फल, फूल, सब्जी, साड़ियों और मिट्टी के चूल्हे सहित छोटे उत्पादों का बड़ा व्यापार होता है. कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार देश भर में छठ पूजा में लगभग 15 करोड़ से अधिक लोग शामिल होंगे, जिनमें स्त्री, पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हैं.इन राज्यों के लोग बड़े पैमाने पर मनाते हैं छठ दरअसल, छठ पूजा भारत की लोक संस्कृति का सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है, जो बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश में बड़े जोर–शोर से मनाया जाता है.कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने बताया कि इन सभी राज्यों में पूर्वांचल के लोग बड़ी संख्या में काम करते हुए अपनी आजीविका अर्जित करते हैं. यह भारत की संस्कृति एवं सभ्यता है कि जहां छठ पूजा के दौरान उगते सूर्य के साथ पहले डूबते सूर्य की पूजा की जाती है. यह इस बात का प्रतीक है कि उगते के साथ तो सब होते हैं, लेकिन भारत के लोग डूबते सूर्य का भी सहारा बनते हैं. बड़े पैमाने होता है कारोबार छठ पूजा त्यौहार में इस्तेमाल में आने वाली सामग्रियों जैसे बांस के सूप, केले के पत्ते, गन्ना, मिठाई, फल और सब्जियों में विशेष रूप से नारियल, सेब, केला और हरी सब्जियां शामिल हैं. छठ महापर्व के दौरान इन सभी चीजों की बिक्री खूब होती है. छठ पूजा के अवसर पर
महिलाओं के पारंपरिक परिधानों जैसे साड़ी, लहंगा–चुन्नी, सलवार कुर्ता और पुरुषों के लिए कुर्ता–पायजामा, धोती आदि की बड़ी खरीदारी लोग करते हैं. इससे स्थानीय व्यापारियों का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है. साथ ही एमएमएमई से जुड़ी इंडस्ट्रियल इकाइयों को मजबूती मिली है. बीजेपी सांसद ने क्या कहा?कैट के जनरल सेक्रेटरी और बीजेपी एमपी प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि छठ पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है जो सामा. जिक एकता और समर्पण का प्रतीक है. इससे व्यापार और स्थानीय उत्पादकों को भी सीधा लाभ पहुंचता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को और मजबूत करेगा. छठ पूजा के दौरान इस्तेमाल होने वाले अधिकांश उत्पाद बड़े पैमाने पर स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों द्वारा बनाए जाते हैं.

दिल्ली के 9 साल के भाविक की कौन बनेगा करोड़पति में एंट्री , बताया हॉट सीट पर कैसे पहुंचा

दिल्ली के रोहिणी सेक्टर–24 में रहने वाले नौ साल के भाविक गर्ग का श्कौन बनेगा करोड़पति में चयन हुआ है. वह पांचवीं कक्षा के छात्र हैं. भाविक ने इस शो में जूनियर प्रतिभागी के तौर पर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर बैठकर केबीसी के सवालों का सामना किया.भाविक की इस शानदार उपलब्धि के बाद उनके परिवार में खुशी और गर्व का माहौल है. वह 6 नवंबर के एपिसोड में दिखे और अब 7 नवंबर के एपिसोड में भी दिखेंगे. डॉक्टर एसके अग्रवाल और डॉक्टर प्रियंका के बेटे भाविक अपनी कड़ी मेहनत और क्षमता की वजह से इस प्रतिष्ठित शो में पहुंचने में सफल रहे.भाविक ने केबीसी में भाग लेने के लिए कई राउंड के इंटरव्यू और ग्राउंड ऑडिशन में सफलता हासिल की. देश भर के विभिन्न स्कूलों से सैकड़ों छात्रों के बीच से 10 छात्रों का चयन किया गया था, जिनमें से एक भाविक गर्ग भी थे. भाविक ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा,मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं केबीसी में चुना गया और इसमें भाग लेकर वापस भी आ गया.भाविक के पिता ने क्या कहा?उन्होंने कहा, मेरा शो अभी टीवी पर प्रसारित नहीं हुआ है. यह जल्दी ही प्रसारित होगा. उन्होंने मुझे रैंडमली सेलेक्ट करके लिखित में टेस्ट लिया फिर इंटरव्यू लिया. उसके बाद

कई अन्य टेस्ट लिए तब जाकर मैं वहां पहुंचा. वहां मुझे मिलाकर कुल 10 बच्चे थे.ष भाविक के पिता डॉक्टर एसके अग्रवाल ने बताया, ष्यह सच में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो सकता है.एसके अग्रवाल ने कहा, ष्मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है और हमारे लिए यह एक ला. इफटाइम अवसर था. हम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि अपने बच्चे की वजह से हम मुंबई गए, सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से मिले.ष उन्होंने कहा कि अगर हम इसके पीछे के योगदान की बात करें, तो सबसे पहले मुझे लगता है कि टीचर्स का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है. बिना उनके समर्थन के कुछ भी संभव नहीं होता.भाविक के पिता ने कहा कि हमें भी एक माता–पिता के रूप में पूरी तरह से बच्चे का समर्थन करना था और हम हमेशा उसके साथ थे. जहां तक केबीसी का सवाल है, तो भाविक ने खुद से ही सभी सवालों के जवाब दिए और मुझे तो तब यह जानकारी मिली, जब मुंबई से मुझे कॉल आया कि हमारे बच्चे को ग्राउंड ऑडिशन के लिए बुलाया गया है. उसके बाद हमने पूरी तरह से उसे सपोर्ट किया और फिर हम मुंबई गए.उन्होंने कहा कि वहां पर इंटरव्यू और कई प्रक्रियाओं के बाद आखिरकार उसे टॉप–10 बच्चों में चुना गया. हम बहुत खुश हैं और यह अनुभव बहुत शानदार था. उन्होंने आगे कहा, "मैं पूरी केबीसी टीम का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं, क्योंकि उन्होंने बच्चे पर बहुत मेहनत की और उसे पूरी तरह से तैयार किया. उनके बिना यह सब संभव नहीं हो सकता था. जब शो में अमिताभ बच्चन के सामने भाविक ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया. यह सब केबीसी टीम की मेहनत का नतीजा था, उनके बिना यह पूरी प्रक्रिया संभव नहीं हो पाती.

सेटेलाइट ने पकड़ा बिजौरी में पराली जलाने का मामला

एटा। तमाम कार्रवाई के बाद भी किसान पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे। सेटेलाइट ने विकासखंड निधौली कलां के गांव बिजौरी में पराली जलाने का मामला पकड़ा है। जांच–पड़ताल के बाद संबंधित किसान पर 2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।कृषि उप निद. `शक रोताश कुमार ने बताया कि गांव बिजौरी में सेटेलाइट द्वारा एक घटना की सूचना प्राप्त हुई। कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक और लेखपाल ने मौके का निरीक्षण किया। वहां पहुंचकर पुष्टि हुई कि गंगा सिंह ने धान की पराली में आग लगाई थी। इस पर गंगा सिंह से 2500 रुपये अर्थदंड वसूला गया। उप निदेशक ने बताया कि पराली जलाना बेहद घातक हो रहा है। वायु प्रदूषण बढ़ने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। किसानों को लगातार जागरूक किया जा रहा है ताकि ऐसी घटनाएं नहीं हों।पराली जलाने की घटनाओं पर निगरानी के लिए सेटेलाइट का उपयोग किया जा रहा है, जिससे ऐसी घटनाएं रिकॉर्ड हो जाती हैं। सेटेलाइट से निगरानी की वजह से पराली जलाने वाले किसान बच नहीं सकते हैं। किसान पराली को खेत में मिट्टी से पलटने वाले हल से जोत दें। इससे हरी खाद के साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी।

खंभे से चिपककर गाय मरी, करंट रोकने के लिए लगाई थी चप्पल

राजा का रामपुर। जनपद में विद्युत निगम जुगाड़ के सहारे आपूर्ति चला रहा है। जिसकी बानगी बृहस्पतिवार को कस्बा के मोहल्ला छोटी कनेसर में देखने को मिली। एक खंभे से चिपककर गाय मर गई। इस खंभे में करंट रोकने के लिए तार के बीच चप्पल लगाई गई थी।बृहस्पतिवार सुबह करीब 6 बजे गाय विचरण करते हुए विद्युत खंभे के पास पहुंच गई। इस खंभे में करंट आ रहा था, इससे चिपककर गाय मौके पर ही मर गई। खंभे से चिपकी गाय को स्थानीय लोगों ने डंडों और बांस के सहारे छुड़ाया। गोपालक चेत सिंह निवासी कनेसर ने थाने में हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक गौरव तेवतिया ने मृत गाय का पोस्टमार्टम किया।लोगों ने बताया कि कई दिनों से खंभे में करंट आ रहा था। विद्युत निगम में शिकायत की तो कर्मच. ारियों ने समाधान के नाम पर खंभे और विद्युत तारों के बीच में चप्पल फंसा दी, लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। इसके चलते हादसा हुआ है। छोटी कनेसर स्थित सब्जी मंडी स्थल पर रविवार और बुधवार को सब्जी और सा. `मवार को मीना बाजार लगता है जिसमें काफी भीड़ उमड़ती है। अलीगंज एसडीओ अरविंद कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जेई को समस्या समाधान करने के लिए निर्देशित कर दिया है। पीड़ित परिवार की मदद की जाएगी।

अगर मैं विधायक बना तो सभी कुंवारों की शादी करा दूंगा , शरद पवार के किस उम्मीदवार ने किया वादा

राजेसाहेब का यह बयान सुनकर हर कोई हैरान रह गया, क्योंकि यह वादा उनकी चुनावी रणनीति से कुछ हटकर था. उन्होंने कहा, ष्हमारे समाज में बहुत से युवा ऐसे हैं, जो शादी के लिए सही साथी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनकी शादी के लिए उचित अवसर नहीं मिल पाते. अगर मुझे मौका मिला, तो मैं इस समस्या को सुलझाने के लिए एक बड़ा कदम उठाऊंगा.ष्आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है. चुनाव में जनता को लुभाने के लिए एनसीपी (एससीपी) नेता राजेसाहेब देशमुख ने प्रदेश के युवाओं से अनोखा वादा किया है. मराठावाड़ा के बीड जिले से परली विधानसभा से एनसीपी (एससीपी) उम्मीदवार देशमुख ने हाल ही में एक रैली के दौरान अपने समर्थकों से कहा, ष्अगर मैं चुनाव जीता, तो मैं सभी कुंवारों की शादी करा दूंगा.ष्राजेसाहेब का यह बयान सुनकर हर कोई हैरान रह गया, क्योंकि यह वादा उनकी चुनावी रणनीति से कुछ हटकर था. उन्होंने कहा, ष्हमारे समाज में बहुत से युवा ऐसे हैं, जो शादी के लिए सही साथी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनकी शादी के लिए उचित अवसर नहीं मिल पाते. अगर मुझे मौका मिला, तो मैं इस समस्या को सुलझाने के लिए एक बड़ा कदम उठाऊंगासभी को उनका जीवनसा. थी मिलेदेशमुख ने आगे कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि समाज में हर व्यक्ति को अपने जीवनसाथी का मिलन हो और शादी के योग्य सभी कुंवारों को एक अच्छा जीवनसाथी मिले. इस वादे ने उनके समर्थकों के बीच एक नई उम्मीद जगा दी है, और लोग उनके इस असामान्य वादे को लेकर उत्साहित हैं. चर्चा का विषय बना राजेशाहब का वादाराजेसाहेब देशमुख को समाज में एक समाजसेवी के रूप में जाना जाता है और उनका यह वादा इस चुनावी माहौल में चर्चा का विषय बन चुका है. इसके अलावा, उन्होंने इस वादे को एक चुनावी मुद्दा बनाने की बजाय समाज की भलाई से जोड़ते हुए बताया कि यह कदम

समाज में खुशहाली और सौहार्द को बढ़ावा देगा.देशमुख का कहना है कि उनकी प्राथमिकता हमेशा जनता के कल्याण और खुशहाली रही है, और वह अपने वादों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं. अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस अनोखे वादे का असर आगामी चुनावों पर क्या पड़ता है और क्या वह इसे वास्तविकता में बदलने में सफल हो पाते हैं.

रास्ता रोककर पीटा और छीन लिए 47 हजार रूपये

एटा। थाना कोतवाली देहात में टीटू निवासी गुलाबपुर थाना पिलुआ ने मोनू व तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि मोनू ने अपने साथियों के साथ मिलकर रास्ते में रोककर पीटा और 47000 रुपये छीन ले गया।थाना पिलुआ के गुलाबपुर निवासी टीटू ने बताया कि वह एटा शहर किसी कार्य से आया था। यहां से वापस जाते समय कोतवाली देहात के गांव विरामपुर के पास एक बाइक पर तीन अज्ञात युवकों ने मुझको रोक लिया। इनके हाथ में लाठी–डंडे थे। उसी समय बिना नंबर की एक दूसरी बाइक पर एक व्यक्ति आकर हमारे पास रुका।इन लोगों ने मुझे रोककर गालियां

देते हुए पीटना शुरू कर दिया। कहा कि पुलिस से शिकायत की तो जान से मार देंगे। इनमें से एक व्यक्ति का नाम मोनू है। चीख–पुकार सुनकर जब आसपास के लोग बचाने आए तो इन लोगों ने मेरी जेब से 47000 रुपये निकाल लिए। इसमें 17000 मेरे और 30000 रुपये मेरे भाई के थे। लोगों को आता देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। संवाद

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का रहा गहरा नाता, उनके इस नारे ने लोगों में भरा था गजब जोश

अलीगढ़रू उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में स्थित विश्विख्यात अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से लगभग तमाम स्वतंत्रता सेनानियों का नाता रहा. समय–समय पर महान स्वतंत्रता सेनानी अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पहुंचे और छात्रों को नई दिशा दिखाने का काम किया. उन्हीं में से एक नाम बापू का भी है. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कई बार कार्यक्रमों में शिरकत करने के लिए पहुंचे. इसके अलावा यूनिवर्सिटी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तीन बार छात्रों में जोश भरने पहुंचे. महात्मा गांधी ने छात्र संघ के पूर्व पदाधिकारी को कई पत्र भी लिखे और अपने विचारों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया.।ड़न में तीन बार आए थे महात्मा गांधीजानकारी देते हुए एएमयू के जनसम्पर्क अधिकारी उमर पीर जादा ने बताया कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में महात्मा गांधी साल 1916 में पहली बार आए थे. इसके बाद 12 अक्टूबर 1920 को दूसरी बार एएमयू पहुंचे. इसके ठीक पांच साल बाद साल 1925 में बापू तीसरी बार अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी आए. उन्होंने अंग्रेजों को देश से भगाने के लिए एएमयू से अलख जगाई. उमर पीर जादा ने बताया कि महात्मा गांधी ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में विदेशी कपड़ों की होलिका जलाई थी जिसके बाद देश भर में असहयोग आंदोलन को एक नई धार मिली. इस आंदोलन के बाद पूरे देश के लोगों में देशभक्ति का लावा फूट पड़ा. साल 1916 में जब महात्मा गांधी अलीगढ़ पहुंचें तो स्टेशन पर उनके स्वागत के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा. इस दिन अलीगढ़ स्टेशन से लेकर मालवीय पुस्तकालय तक बापू को जुलूस के साथ ले जायागया.हिंदू–मुस्लिम हैं देश की दो आंखेंउमर पीर जादा ने कहा कि इस दौरान महात्मा गांधी ने 'हिंदू मुस्लिम देश की दो आंखें हैं' का नारा देते हुए लोगों में नया जुनून पैदा कर दिया. इस नारे के बाद लोग धार्मिक, जातिगत भेदभावों और वैमनस्य को भुलाकर एक दूसरे से गले मिल रहे थे. लोग बापू के आंदोलन की जमकर प्रशंसा कर रहे थे.अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में 12 अक्टूबर 1920 को महात्मा गांधी ने स्ट्रेची हॉल के सामने ऐतिहासिक भाषण दिया था. उनके भाषण को सुनकर छात्र आजादी का मशाल लेकर मैदान में कूद पड़े. बापू के विदेशी कपड़ों की होली जलाने पर एएमयू के पूर्व छात्र हसरत मोहानी ने अलीगढ़ के मुख्य बाजारों में से एक रसलगंज बाजार में खादी भंडार खोलकर स्वदेशी आंदोलन को हवा दी. इसके बाद एएमयू के छात्रों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को छात्रसंघ की आजीवन सदस्यता प्रदान की. महात्मा गांधी के जरिये अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में दिए गए ऐतिहा. सिक भाषण को यहां के छात्र आज भी याद करते हैं.अलीगढ़ में यहां ठहरते थे राष्ट्रपिताअलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी उमर पीर जादा ने बताया कि जब भी महात्मा गांधी एएमयू या फिर अलीगढ़ में आते थे, तो वह मुस्तफा कमाल शेरवानी और अब्दुल मजीद ख्वाजा की कोठी पर विश्राम करते थे. यह वो हस्तियां थीं जो अलीगढ़ की नाक कही जाती थी. उन्होंने बताया कि इन हस्तियों का अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से गहरा नाता था. आज भी

हर साल गांधी जयंती के मौके पर बापू की तस्वीरें उनकी एएमयू की विजिट और उनके लिखे हुए पत्र डिस्प्ले किये जाते हैं.

मेड़ पर लगे खंभे उखाड़ कर फेंके, शिकायत करने पर पीटा, मुकदमा दर्ज, दो जेल भेजे

अलीगढ आरोपियों ने मेड़ पर लगे खंभे उखाड़ दिए। शिकायत करने पर आरोपियों ने खेत वाले को ही पीट दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को जेल भेज दिया।खेत की मेड़ पर लगे खंभों को उखाड़ कर फेंक दिया गया। जब उनकी शिकायत की गई तो पीट दिया गया। उखाड़ने में पुलिस ने दो लोगों को जेल भेज दिया। अलीगढ़ के गंगीरी में गांव रामनगर निवासी चरन सिंह के खेत की मेड़ पर खंभे लगे हुए थे। गांव के ही सोरन सिंह पुत्र नत्थूसिंह व देवेश पुत्र धर्म सिंह ने इन खंभों को उखाड़ कर फेंक दिया। जब चरन सिंह ने शिकायत की तो उसे पीट दिया। घायल चरन सिंह ने गांव के सोरन सिंह व देवेश सहित कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। इसी मुकदमे में पुलिस ने 7 नवंबर को सोरन सिंह व देवेश कुमार को शांतिभंग में जेल भेजा है।

दो बाइक आपस में आमने–सामने भिड़ीं, तीन युवक घायल

दीवाली की छुट्टी खत्म होने पर तीन युवक एक बाइक पर सवार नोएडा वापस जा रहे थे। अकराबाद टोल प्लाजा के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। तीनों युवक सड़क पर गिर कर घायल गए।अकराबाद के जीटी रोड पर स्थित टोल प्लाजा के पास 7 नंवबर की दोपहर दो बाइकों में आमने–सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक पर सवार तीन युवक घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा है। जिला फर्रुखाबाद के कस्बा फैजाबाद निवासी आकाश, विकास पुत्रगण संजय अपने साथी प्रांजुल पुत्र शिशुपाल के साथ नोएडा में स्थित किसी निजी कंपनी में काम करते हैं। दीवाली की छुट्टी खत्म होने पर तीनों युवक एक बाइक पर सवार होकर काम पर वापस जा रहे थे। दोपहर डेढ़ बजे अकराबाद टोल प्लाजा के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई।हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। तीनों युवक सड़क पर गिर कर घायल गए। हादसे की जानकारी होते ही स्थानीय लोग वहां पर पहुंच गए। उन लोगों को आता देख दूसरी बाइक पर सवार युवक वहां से भाग गया। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

दिव्यांग एवं कुष्ठावस्था पेंशन धारक अनिवार्य रूप से बनवाएं फैमिली आईडी

फैमिली आईडी बनवाने के उपरांत विकास भवन स्थित कार्यालय में पेंशन से कराएं लिंक अलीगढ़ जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रोहित कुमार ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबन्धन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन, योजनाओं में शत–प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का आच्छादन एवं जनसामान्य को सरकारी सुविधाओं का सरलीकरण करने के उद्देश्य से फैमिलीआई0डी0–एक परिवार एक पहचान योजनाष संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत जिले में अध्यासित समस्त परिवारों की एक विशिष्ट पहचान के लिए फैमिली आईडी सृजित की जा रही है।उपरोक्त के क्रम में उन्होंने जिले के दिव्यांग भरण पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) व कुष्ठावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे दिव्यांग पेंशन धारकों अथवा नवीन आवेदक जिनके द्वारा दिव्यांग पेशन के लिए आवेदन किया जा रहा है को सूचित किया है कि जिन दिव्यांगजनों का राशन कार्ड या फैमिली आई0डी0 कार्ड नहीं बना है वे सभी दिव्यांगजन अपना एवं अपने परिवार के सभी सदस्यों का आधार कार्ड एवं आधार कार्ड से लिंक रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर सहित ऑनलाइन वे. बसाइट उिपसलपक.नच.हवअ.पद पर जिले के किसी भी जनसेवा केन्द्र, लो. कवाणी केन्द्र द्वारा ऑनलाइन राशन कार्ड या फैमिली आई0डी0 बनवाने के उपरान्त उसकी छायाप्रति किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कक्ष संख्या जी–08 विकास भवन में उपस्थित होकर अपनी पेंशन में राशन कार्ड फैमिली आई0डी0 लगवाना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में भविष्य में पेंशन की धनराशि लखनऊ से रोक दी जायेगी।

अतरौली में डीएपी के लिए मारामारी, केंद्रों पर लगी तड़के चार बजे से किसानों की लाइन

डीएपी पाने के लिए किसान और महिलाएं सुबह तड़के से ही लाइन में लग गए। डीएपी का वितरण देर से शुरू हुआ। किसानों में डीएपी के लिए अलीगढ़ के अतरौली में मारामारी देखने को मिली।अतरौली के केंद्रों पर डीएपी की खेप आते ही तड़के चार बजे से ही किसानों की लाइन लग गई। क्षेत्रीय सहकारी समिति दक्षिणी अतरौली और उत्तरी पर 720 बोरी डीएपी प्राप्त हुई, जो किसानों के लिए नाकाफी साबित हुई। किसानों की संख्या इससे कहीं अधिक थी। किसानों ने हंगामा किया।अतरौली में क्षेत्रीय सहकारी समिति पर डीएपी वितरण की व्यवस्था इतनी ढ़ीली थी कि सुबह 10 बजे से वितरण शुरू हुआ। दोपहर 12.45 बजे तक महज 19 किसानों को डीएपी दी जा सकी। इस पर किसानों ने हंगामा खड़ा कर दिया। एसडीएम साहिल कुमार और

नायब तहसीलदार मयंक गोयल राजस्व व पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को टोकन वितरण कराए। प्रति किसान महज एक बोरी मिल सकी। आधे से अधिक किसान बिना डीएपी लिए ही लौट गए। किसानों ने इस पर आक्रोश व्यक्त किया। एसडीएम साहिल कुमार ने बताया कि पॉस मशीन में तकनीकी खराबी के कारण कुछ देर से वितरण प्रभावित हुआ था, बाद में वितरण व्यवस्था दुरुस्त कराकर सभी किसानों को नियमानुसार डीएपी दी गई।

चुनाव जो है यहां खैर को भरपूर खाद, बाकी इलाकों में किसान को बोरी–बोरी का भी इंतजार

खैर में उपचुनाव होने हैं। 13 समितियां अकेले खैर विधानसभा क्षेत्र की हैं। यहां के सभी गोदाम डीएपी और एनपीके से फुल हो गए हैं। जबकि चंडौस, गंगीरी, जवां, इगलास, गौरई और पिसावा क्षेत्र की समितियों पर खाद की किल्लत देखी जा सकती है।इस समय भले ही पूरे अलीगढ़ जिले में खाद की किल्लत है लेकिन खैर विधानसभा क्षेत्र की किसी भी समिति पर टोटा नहीं होने दिया जा रहा है। उपचुनाव वाली इस सीट पर सरकारी मशीनरी भरपूर खाद पहुंचा रही है। 6 नवंबर को जिले की 31 सहकारी समितियों पर खाद पहुंचा जिनमें 13 समितियां अकेले खैर विधानसभा क्षेत्र की हैं। यहां के सभी गोदाम डीएपी और एनपीके से फुल हो गए हैं। जबकि चंडौस, गंगीरी, जवां, इगलास, गौरई और पिसावा क्षेत्र की समितियों पर सुबह से ही खाद के लिए किसान लाइन में लग जाते हैं और एक–एक बोरी का इंतजार करते हैं।इस समय शासन से लेकर प्रशासन तक की नजर खैर विधानसभा पर है। यहां के छोटे छोटे मुद्दों को भी बड़ी शिद्दत के साथ हल किया जा रहा है। सुबह से लेकर शाम तक इस क्षेत्र में अफसरों की गाड़ियां दौड़ रही हैं। खैर विधानसभा क्षेत्र में हो रहे उपचुनाव के लिए मतदान भले ही 20 नवंबर को होगा लेकिन सरकारी मशीनरी तो यहां हर रोज इम्तिहान दे रही है। इस समय गेहूं और आलू की बुवाई के लिए खाद की बढ़ती मांग मशीनरी को भी बेचौन किए हुए है। 6 नवंबर को 600 मीट्रिक टन खाद का आवंटन जिले भर की समितियों के लिए हुआ है जिसमें सर्वाधिक 234 मीट्रिक टन खाद अकेले खैर विधानसभा क्षेत्र को दिया गया है। लगातार तीन दिनों तक यहां की समितियों को खाद भेजने का प्लान तैयार किया गया है।समितियों पर वसूले जा रहे पांच रुपये अति. रिक्तअलीगढ़ जिले की कई समितियों पर खाद पर पांच रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। डीएपी की बोरी 1350 रुपये की है लेकिन कई समितियों पर 1355 रुपये तक में दी जा रही है। एनपीके की बोरी 1200 रुपये की है लेकिन 1205 में दी जा रही है। किसानों का कहना है कि अगर अधिक मूल्य को लेकर विरोध करते हैं तो खाद दिया तक नहीं जाता। अफसरों से भी इसकी शिकायत कर चुके हैं। लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वहीं एआर कोआपरेटिव कृष्ण कुमार का कहना है कि खाद की बोरी की कीमत तय है। अगर कोई तय कीमत से अधिक दाम वसूलेगा तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।किसानों का ददर्रू घंटों लाइन में लगने के बाद भी लौट रहे खाली हा. थकिसानों का कहना है कि उन्हें खाद के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। तीन से चार घंटे लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट आते हैं। जबकि कई दफा किसानों ने अफसरों के सामने यह दिक्कत रखी है। इगलास क्षेत्र के गांव कांडली निवासी अशोक शर्मा, मौजीपुर निवासी सुनील कुमार, जटवार के अजय कुमार और इगलास के नीरू पंडित ने बताया कि समितियों पर खाद मिल नहीं रहा और प्राइवेट दुकानों पर खाद महंगा बिक रहा है।पिसावा क्षेत्र के लालगढ़ी निवासी राधाचरन, पलसेड़ा के पप्पन, मढ़ाहबीबपुर के लाला और दरग. वां के बच्चू सिंह का कहना है कि समितियों से भी खाद उन्हें ही मिल रहा है जिनकी सचिव से रिश्तेदारी है।चंडौस क्षेत्र के गांव जहराना निवासी प्रेम सिंह और श्याम सिंह का कहना है कि खाद वितरण की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है।गंगीरी क्षेत्र के गांव शेरपुर निवासी नत्थू सिंह और रमेश चंद्र ने बताया कि खाद न मिलने से आलू की बुवाई भी पिछड़ रही है। खेत तैयार है लेकिन बुवाई नहीं कर पा रहे हैं। क्योंकि इस समय गेहूं और आलू की बुवाई हो रही है लिहाजा खाद का हल्ला मचा हुआ है। पार्टी प्रत्याशी तो किसानों को खाद उपलब्ध कराने के लिए समितियों के सचिव पर दबाव बना ही रहे हैं पार्टियों के नेता भी अधिकारियों को पत्र भेजकर किसानों को तत्काल खाद उपलब्ध कराने को कह रहे हैं। इसमें सत्ता पक्ष के साथ ही सपा, बसपा और कांग्रेस के नेता भी शामिल हैं। समिति से जुड़े एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस समय चुनाव को लेकर सभी पार्टियां किसानों की आवाज उठा रही हैं। अगर किसी समिति पर भी खाद खत्म होता है तो तत्काल सभी दलों के लोग फोन करने लगते हैं समितियों पर पहुंच रहीं नेताओं की गाड़ियां जिला कृ षि अधिकारी धीरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि खैर, गिडौरा, ढ़ाटौली, रेसरी, पलसेड़ा, हरदुआगंज, दतावली, भोपतपुर, मादक, मालव, भैया, अतरौली एन व अत. रौली एस, बीलपुरा, भुकरावली, नहल, पिसावा, सोमना–2, चण्डौस, गोंडा, शिवाला में 18–18 मीट्रिक टन, वैना में 27 मीट्रिक टन, बाजार जट्टारी, बाजार जिरौली, बाजार खैर, इगलास इफको व केवीएसके धनीपुर पर 20–20 मीट्रिक टन, धनीपुर, जुलूपुर सिंहौर पर 25–25 मीट्रिक टन एवं नाया में 25 मीट्रिक टन समेत कुल 579 मीट्रिक टन डीएपी एवं 18 मीट्रिक टन एनपीके इगलास में वितरण के लिए भेज दी गई है।उन्होंने बताया कि जिले में इफको के पांच बिकी केंद्रों खैर, जट्टारी, गोंडा, इगलास एवं जिरौली धूमसिंह पर भी डीएपी का वितरण सात नवंबर को किया जाएगा। धनीपुर क्षेत्र में सहकारी समिति धनीपुर, जुल्लुपुर सिहौर, भोपतपुर पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी पहुंचा दी गई है। धनीपुर मंडी केंद्र के अतिरिक्त तीन केंद्रों से भी किसान वीरवार को डीएपी ले सकते हैं।

स्केटिंग रेस में खिलाड़ियों ने खूब दिखाई रफ्तार

अलीगढ़ स्केटिंग कड़े अभ्यास व अनुशासन का खेल है। एक गलत कदम से खिलाड़ी चोटिल हो सकता है। मंगलवार को एसएमबी इंटर कालेज के प्रांगण में आयोजित लांग रेस स्केटिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन कर रफ्तार दिखाई। अंकों के आधार पर श्रेष्ठ 12 खिलाड़ियों का चयन शिमला में होने वाली नेशनल स्केटिंग चौंपियनशिप के लिए किया गया। अलीगढ़ स्केटिंग क्लास की ओर से आयोजित प्रतियोगिता का इसमें श्रेष्ठ खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। इसके बाद इनलाइन स्केट्स और क्वार्ट्ज स्केट्स में पांच राउंडकी लांग रेस प्रतियोगिता कराई गई। प्रदर्शन के आधार पर शिमला के लिए टीम बनाई गई, जिसमें कल्याणी, सुमित कुमार, आदित्य ठाकुर, कुनाल, हिमांशु धनगर, योग कुमार, अवनीत कुमार, रियांश, हर्षित वर्मा, वंश भारद्वाज, सुधांशु वर्मा, दीपक गौतम को शामिल किया गया। क्रीड़ा भारती के मंत्री डा. शंभू दयाल रावत, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव मजहर उल कमर, डा. नीलम पाराशर, रेखा चौधरी, पूनम पराशर, कोच वंशिका चौहान उपस्थित रहे।

टूटेगा 25 साल का रिकॉर्ड! इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड, AMU के वैज्ञानिकों ने बताई वजह

अलीगढ़. इस सर्दी में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं, और यह पिछले 25 साल का रिकॉर्ड तोड़ सकती है. एएमयू के भूगर्भ वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तरी भारत में ठंड बढ़ने का सीधा संबंध प्रशांत महासागर में चल रहे "ला–नीना" प्रभाव से है. यह जलवायु परिवर्तन उत्तरी भारत में तापमान को सामान्य से अधिक कम कर सकता है, जिससे इस बार ठंड बेहद तीव्र हो सकती है.एएमयू के भूगोल विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. सलेहा जमाल बताती हैं कि ला–नीना के कारण हमारे क्षेत्र में तापमान में गिरावट और उच्च दबाव वाली ठंडी हवाएं बढ़ेंगी, जो उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप लाएंगी. उन्होंने कहा, "यह एक जलवायु चक्र है, जो मौसम में अप्रत्याशित बदलाव लाता है. जैसे कि बारिश पहले कम हुई, लेकिन फिर काफी ज्यादा बारिश से बाढ़ की स्थिति बनी. यही अस्थिरता ठंड में भी देखने को मिल सकती है."फसलों पर पड़ेगा ठंड का असर प्रोफेसर जमाल ने बताया कि ला–नीना का सीधा असर रबी और खरीफ की फसलों पर भी दिखेगा. मार्च और अप्रैल में असामान्य ठंड और बारिश से किसानों को नुकसान हो सकता है. उन्होंने कहा कि प्रशांत महासागर की हवाएं भूमध्य रेखा के समानांतर पश्चिम की ओर बहती हैं, जो गर्म पानी को दक्षिण अमेरिका से एशिया की ओर ले जाती हैं. अल–नीनो और ला–नीना जैसे प्रभाव न केवल मौसम बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर भी असर डालते हैं.जलवायु परिवर्तन का चक्र और भारत पर प्रभाव डॉ. जमाल के अनुसार, अल–नीनो और ला–नीना के प्रभाव आमतौर पर 9 से 12 महीने तक रहते हैं, लेकिन इनके आने का कोई तय समय नहीं होता. ये चक्र हर 2 से 7 साल में आते हैं और इनका असर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जलवायु को प्रभावित करता है. विशेष रूप से भारत का मानसून प्रशांत महासागर की जलवायु पर निर्भर रहता है, जिससे जलवायु में कोई भी बदलाव भारत के मौसम पर सीधा प्रभाव डालता है.

अक्षय नवमी पर करें ये उपाय, धन संबंधी समस्या के साथ वैवाहिक जीवन का क्लेश होगा खत्म!

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अक्षय नवमी के दिन आंवला के वृक्ष की पूजा अर्चना करने का विधान है. इस दिन आंवला के वृक्ष पर दूध अर्पित करें और और पूर्व की ओर मुख करके ॐ धात्र्यै नमः मंत्र का जप करें. ऐसा करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और परिवार में सुख समृद्धि का वास होता है. इसके अलावा कुछ ऐसे उपाय हैं जिन्हें करके हमें श्री हरि विष्णु की कृपा प्राप्त होगी और हमारे जीवन से हर तरह की समस्या का समापन होगा, आइये ऐसे कुछ उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं.अक्षय नवमी के दिन आंवला के वृक्ष की कपूर व घी के दीपक से आरती करें और 108 बार परिक्रमा करें. इसके साथ ही आंवला के वृक्ष के नीचे ब्राह्मण, गरीब व जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं. साथ ही खुद भी वृक्ष के पास भोजन करें. ऐसा करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्ति होती है और परिवार के सदस्यों की उन्नति भी होती है.

अक्षय नवमी के दिन आंवले के पौधे का दान करना बहुत उत्तम माना गया है. इसके साथ ही आप भी अपने घर की उत्तर दिशा में आंवला का वृक्ष लहाएं. अगर उत्तर दिशा में पौधा लगाना संभव नहीं है तो पूर्व दिशा में भी लगा सकते हैं. ऐसा करने से वास्तु दोष दूर होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे परिवार के सभी सदस्यों की समस्याएं दूर होती हैं.अक्षय नवमी के दिन उपवास रखना बहुत शुभ माना जाता है. इस दिन उपवास रखकर आंवला के वृक्ष की पूजा करें और भग. वान विष्णु को आंवले का भोग लगाएं. भोग लगाने के बाद उस आंवले का सेवन कर लें. ऐसा करने से सभी पाप नष्ट होता जाते हैं और आरोग्य की भी प्राप्ति होती है. साथ ही इस दिन गरीब व जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़ों का दान करने से घर में धन धान्य की कमी नहीं होती है.अक्षय नवमी के दिन आंवले के वृक्ष की पूजा अर्चना करने के बाद हनुमानजी को सिंदूर, चोल और पान का बीड़ा अर्पित करें. इसके बाद पूजा अर्चना करें और सुंदरकांड का पाठ करें. ऐसा करने से आपके सभी कष्ट दूर होते हैं और सभी समस्याओं से
मुक्ति मिल जाती है. साथ ही भगवान विष्णु के साथ हनुमानजी की कृपा भी प्राप्त होती है.

अक्षय नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा करें और फिर एक पीला कपड़ा लें. उसमें 4 आंवले जो एक दिन पहले के तोड़े हुए हैं उन्हें उस कपड़े में रख लें. इसके बाद उस पोटली को तांबे या पीतल के बर्तन में रख कर अपने बेडरूम की अलमारी में रख लें. हर माह के शुक्ल पक्ष की अवामी को आंवले बदलें. ऐसा सिर्फ आपको
5 नवमी तिथियों तक करना है. इससे आपको लाभ दिखने लगेगा. अक्षय नवमी के दिन तिल के तेल का दीया जलाकर उससे आंवले के पेड़ की पूजा करें एवं आरती उतारें. फिर इसके बाद उस दीपक में अपने और अपने जीवनसाथी से 5 कपूर उसार कर डाल दें और दीपक को आंवले के पेड़ के नीचे रखकर घर आ जाएं. ध्यान रहे कि इस उपाय को पति–पत्नी को साथ में करना है तभी इसका शुभ फल प्राप्त होगा और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी.

अक्षय नवमी के दिन भगवान विष्णु को 5 गेंदे के फूल लाल कपड़े में रखकर चढ़ाएं. फिर उस पोटली को घर की पूर्व दिशा में बांध दें. इसके आलवा, आप बा. गवान विष्णु को एक शंख भी अर्पित कर सकते हैं. शंख चढ़ाने से भी श्री हरि नारायण शीघ्र प्रसन्न होकर अपनी असीम कृपा बरसाते हैं. साथ ही, घर एवं दांपत्य जीवन में पसरी कैसी भी नकारात्मकता क्यों न हो उसे दूर कर देते हैं.

संध्या अर्घ्य आज, छठ पूजा के तीसरे दिन क्या–क्या करते हैं

छठ सूर्य उपासना का पर्व है.चार दिवासीय छठ पूजा का तीसरा दिन महत्वपूर्ण माना जाता है. इस दिन अस्. ताचलगामी यानी डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है. यह एकमात्र ऐसा पर्व है, जिसमें डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है.संध्या अर्घ्य का मुहूर्त छठ पर्व के तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को संध्याकाल में सूर्यास्त के समय सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है. इस साल संध्या अर्घ्य 7 नवंबर 2024 को है. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार इस दिन सूर्य को अर्घ्य देने के लिए शाम 5 बजकर 29 मिनट तक का समय रहेगा.छठ पर्व के तीसरे दिन क्या–क्या होता है?पंचमी तिथि को खरना के बाद से ही षष्ठी तिथि यानी संध्या अर्घ्य के दिन छठ व्रती पूरे दिन–रात निर्जला व्रत रहती है. इस दिन कुछ भी खाना–पीना वर्जित होता है. अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को ही व्रत का पारण किया जाता है.

बांस के सूप या डाला में ठेकुआ, कोनिया, नारियल, फल आदि सजाकर व्रती परिक्रमा करते हुए डूबते सूर्य को अर्घ्य देती है.सूर्यास्त के पहले छठ व्रती और पूरा परिवार संध्या अर्घ्य के लिए तालाब, नदी या घाट किनार पहुंच जाते हैं. इसके बाद भगवान भास्कर को जल और दूध से अर्घ्य दिया जाता है.साथ ही छठी मैया की पूजा भी की जाती है.छठ पर्व की षष्ठी तिथि को रात्रि जागरण का भी विधान है.तीसरे दिन सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद चौथे दिन उषा अर्घ्य के साथ विधान पूरा होता है. षष्ठी तिथि पर जिस सूप और डाला में सजे फल–प्रसाद की पूजा की जाती है, चौथ दिन फिर से इन्हीं सूप और डाला को घाट ले जाया जाता है और अर्घ्य देकर पूजा की जाती है.

देवउठनी एकादशी 11 या 12 नवंबर कब ? व्रत किस दिन रखें, डेट, मुहूर्त जानें

हिंदू धर्म में इसे देवोत्थान एकदशी के नाम से भी जाना जाता है. कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष में आने वाली देवउठनी एकादशी मां लक्ष्मी और श्रीहरि विष्णु को प्रसन्न करने के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है, इसके प्रभाव से बड़े से बड़ा पाप भी क्षण मात्र में ही नष्ट हो जाता है.देव उठनी एकादशी' साल में आने वाली सभी एकादशी में सबसे महत्वपूर्ण होती है और इसी दिन चातुर्मास समाप्त हो जाता है और सभी मांगलिक कार्य जैसे विवाह, मुंडन, जनेऊ, गृह प्रवेश, यज्ञ जैसे कार्यों की शुरुआत हो जाती है. इस साल देवउठनी एकादशी की सही तारीख, पूजा मुहूर्त कब है यहां देखें.देवउठनी एकादशी 11 या 12 नवंबर 2024 में कब ?पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी 11 नवंबर 2024 को शाम 06 बजकर 46 मिनट पर शुरू होगी और 12 नवंबर 2024 को शाम 04.04 मिनट पर समाप्त होगी.पूजा समय – देवउठनी एकादशी पर सुबह स्नान के बाद देवों को उठाएं. इस दिन विष्णु पूजा का मुहूर्त सुबह 09.23 से सुबह 10.44 तक है. इस दौरान अभिषेक करें और रात को शालिग्राम और तुलसी जी पूजा करें, इसके लिए रात 07.08 से रात 08.47 तक शुभ मुहूर्त हैव्रत पारण – देवउठनी एकादशी व्रत का पारण कार्तिक माह के द्वादशी तिथि पर 13 नवंबर 2024 को सुबह 06.42 से सुबह 8.51 के बीच किया जाएगा.देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह की परंपरा तुलसी को विष्णु प्रिया भी कहते हैं इसलिए देवता जब जागते हैं, तो सबसे पहली प्रार्थना हरिवल्लभा तुलसी की ही सुनते हैं. तुलसी विवाह का सीधा अर्थ है, तुलसी के माध्यम से भगवान का आह्वान करना. तुलसी शालिग्राम विवाह करवाने से वही पुण्य फल प्राप्त होता है जो कन्यादान करने से मिलता है.

पेड़ के नीचे खाना बनाकर खाने से मिटते हैं घर के क्लेश! पूजा की भी खास विधि, इस दिन नारायण की आराधना शुरू

दरभंगारू– मिथिलांचल में धात्री पूजा का विशेष महत्व माना जाता है. शास्त्रों के अनुसार, इस दिन धात्री वृक्ष के नीचे यानी सरल भाषा में कहें, तो आंवला के पेड़ के नीचे ही यहां के लोग सभी प्रकार के पकवान बनाते हैं. बताया जाता है कि आंवला वृक्ष की छाया पड़ने और खाने में गिरे उसके पत्ते से खाना शुद्ध हो जाता है. ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, इस दिन आंवला पूजा मिथिलांचल में काफी धूमधाम से मनाया जाता है और इस दिन आंवला का चटनी अनिवार्य रूप से लोग खाते हैं. सभी प्रकार का पकवान इसी आंवला पेड़ के नीचे बनाया जाता है और आंवला के फल को पीसकर पूरे शरीर पर लेप लगाने से नारायण जैसी अनुभूति होती है.भगवान नारायण को प्रसन्न करने की पूजा इस पर विशेष जानकारी देते हुए कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर ज्योतिष विभाग के विभागअध्यक्ष डॉक्टर कुणाल कुमार झा लोकल 18 को बताते हैं कि भगवान नारायण को प्रसन्न करने के लिए यह जगत धात्री यानि जगत को धारण करने वाले की पूजा की जाती है. इसलिए उस दिन मिथिलांचल में धात्री पूजा होती है. इसमें आंवला का वृक्ष होता है,
जो धात्री के वर्णन में आया है, यानि जितने भी प्रकार के घर में क्लेश हैं, अशुद्ध भोजन किए हुए हैं, वो व्यक्ति आंवला पेड़ की छाया में भोजन बनकार ब्राह्मण को भोजन कराकर स्वयं भी भोजन करे, तो , इससे कई प्रकार के क्लेश से मुक्ति मिलती है.कितने दिन होती है धात्री पूजा?इसके साथ ही आंवला के फल को पीसकर शरीर पर भी लगाया जाता है और उसका आभूषण भी बनाकर धारण किया जाता है. आंवला फल ग्रहण करने से नर नारायण सदृश हो जाते हैं, अर्थात उसमें देव गुण पूर्ण रूप से आ जाता है. इसलिए आंवला पूजन का मिथिलांचल में विशेष महत्व है. इस बार जगत धात्री पूजा 8 नवंबर से प्रारंभ होगी, जो 11 नवंबर को धात्री विसर्जन के साथ पूरी होगी. इतने दिन आंवला वृक्ष की छाया में रहने से और वहां भोजन निर्माण आदि करके भोजन करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है.

गुजरात में है पहला ज्योतिर्लिंग, कैसे पड़ा इस ज्योतिर्लिंग का नाम सोमनाथ? बड़ी रोचक है पौराणिक कथा

देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने का सबसे बड़ा माध्यम है शिवलिंग पूजा. वैसे तो देशभर में लाखों शिवालय हैं, जिनमें भक्त पूजा करते हैं और भोलेनाथ की आराधना करते हैं लेकिन, कुल 12 ज्यो. तिर्लिंग ऐसे हैं जो धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माने गए हैं लेकिन एक ज्यो. तिर्लिंग ऐसा भी है जिसे पहला ज्यो. तिर्लिंग माना गया है और इसका नाम सोमनाथ है. यह ज्योतिर्लिंग गुजरात में स्थित है, लेकिन क्या आप जानते हैं इसका नाम सोमनाथ कैसे पड़ा और क्या है इसके वीछे की कथा? यदि नहीं तो आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से.सोमनाथ नाम से जुड़ी ज्यो. तिर्लिंग की कथा पुराणों के अनुसार, गुजरात में ज्योतिर्लिंग का नाम सोमनाथ होने के पीछे बड़ी ही रोचक कथा है. शिवपुराण के अनुसार, दक्ष प्रजापति की 27 पुत्रियों का विवाह चंद्र देवता से हुआ था, लेकिन चंद्र देव सिर्फ रोहिणी से प्रेम करते थे और अन्य सभी की उपेक्षा करते थे. इसके चलते प्रजापति दक्ष ने चंद्र देव को श्राप दिया कि उनकी रोशनी दिन–ब–दिन कमजोर पड़ती जाएगी. प्रजापति दक्ष के इस श्राप के कारण चंद्र देव की रोशनी घटने लगी और वे धीरे धीरे बीमार भी पड़ने लगे जिसके बाद वे महादेव की शरण में पहुंचे और इस श्राप से मुक्ति दिलाने का आग्रह किया. चंद्र देव ने भोलेनाथ की खूब भक्ति भी की, जिसे देख महादेव प्रसन्न हुए और उन्हें इस श्राप से ना सिर्फ मुक्ति दिलाई बल्कि उन्हें अपने माथे पर सुशोभित कर लिया.इसके बाद चंद्र देव ने भगवान शिव से इस स्थान पर एक ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित होने का आग्रह किया. चूंकि, चंद्रमा को सोम नाम से भी जाना जाता है और जब चंद्र देव ने महादेव की तपस्या की तो उन्हें अपना नाथ माना. ऐसे में जब यहां ज्योतिर्लिंग स्थापित हुआ तो उसे सोमनाथ नाम से जाना गया.सोमनाथ मंदिर का महत्व सोमनाथ मंदिर का इतिहास भी बहुत समृद्ध और विविधता से संपन्न है. इस मंदिर को लूटने और गिराने के लिए कई बार आक्रमणकारियों ने आक्रमण कर नष्ट किया, लेकिन हर बार इसे भक्तों ने पुनः निर्माण किया. इस मंदिर का वास्. तुशिल्प और धार्मिक महत्व पूरे भारत में ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है.

ओम नमः शिवाय का जाप करने के होते हैं नियम, महिलाओं को ऐसे बोलना चाहिए ये मंत्र, अगर आप भी कर रहे हैं गलती तो पूजा होगी असफल !

भगवान शिव के पंचाक्षरी शिव मंत्र में प्रकृति के पांचों तत्वों को नियंत्रित करने की शक्ति है. "ओम् नमरू शिवायरू" में न पृथ्वी, मरू जल, शि अग्नि, वा प्राण वायु और य आकाश को इंगित करते हैं. शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव ने स्वयं इस मंत्र में बारे में माता पार्वती को बताते हुए कहा था कि कलयुग में यह मंत्र सभी पापों और कष्टों को हरने वाला होगा. लेकिन इस मंत्र का जाप करने के लिए आपको पहले गुरुदीक्षा लेनी चाहिए, ओम नमः शिवाय एक वैदिक मंत्र है और इसका जाप करने के लिए सबसे पहले किसी गुरु से इस मंत्र को लेना चाहिए. अगर आपने किसी गुरु से यह मंत्र प्राप्त नहीं किया है तो इसका जाप आपको गलत परिणाम भी दे सकता है. महादेव को प्रसन्न करने के लिए अन्य कई मंत्र हैं जिनका जाप करके आप उन्हें शीघ्र प्रसन्न कर सकते हैं.शिव जी से जुड़े कुछ और मंत्ररू. शिवलिंग पर जल चढ़ाते समय 'श्रीभगवते साम्बशिवाय नमः. स्नानीयं जलं समर्पयामि' मंत्र का जाप करना चाहिए. शिव जी का गायत्री मंत्र है, 'ओम् तत्पुरुषाय विद्महे, महादेवाय धीमहि, तन्नो रूद्र प्रचोदयात'. सोमवार को पूजा करते समय नामावली मंत्रों का जाप करना अधिक फलदायी माना जाता है.भगवान शिव भक्तों से अति शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं. उन्हें उनकी प्रिय चीजें भांग, धतुरा, आक फूल, शमी के पत्ते, बेल पत्र चढ़ाना चाहिए. हालांकि भोले बाबा को केवल जल चढ़ाकर भी प्रसन्न किया जा सकता है. पंचाक्षरी शिव मंत्र ओम् नमरू शिवायरू" के जाप का भी बहुत महत्व है. इस मंत्र के जाप से मोक्ष प्राप्ति होती है. हालांकि इस मंत्र का ठीक से जाप करना जरूरी होता है. यहां तक कि स्त्री पुरुष के लिए इस मंत्र के जाप के अलग अलग नियम हैं. महा. शिवपुराण में इस मंत्र के जाप को लेकर विस्तार से बताया गया है. आइए जानते हैं पंचाक्षरी शिव मंत्र "ओम् नमरू शिवायरू"के जाप क्या नियम हैं और इसका महत्व.ओम् नमः शिवाय' मंत्र के बारे मेंरू धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, महिलाओं को ओम् नमः शिवाय' का जाप नहीं करना चाहिए.महिलाओं को ओम् नमः शिवाय' की जगह ओम् शिवाय नमः का उच्चारण करना चाहिए. महिलाओं को ओम् नमरू शिवायरू मंत्र का जाप करते समय पंचाक्षर से शुरू करके षडाक्षर तक जाना चाहिए.ओम् नमः शिवाय मंत्र का जाप रुद्राक्ष माला से किया जाता है.मि. हलाओं के लिए शिव जी का मंत्र 'ओम् पार्वतीपतये नमः' माना जाता है. स्कन्दपुराण के मुताबिक, 'ओम् नमः शिवाय' महामंत्र मोक्ष प्रदाता है.

खाटूश्याम जी के भक्तों के लिए अच्छी खबर, खुल गया है मंदिर का पट

सीकर. विशेष पूजा ओर तिलक श्रृंगार के चलते बंद हुआ खाटूश्याम जी मंदिर आज यानि गुरूवार को खुलेगा. हालांकि गुरूवार को मंदिर पूरे दिन मंदिर बंद रहेगा, लेकिन देर शाम संध्या आरती के समय मंदिर के कपाट खोले जाएंगे. आपको बता दें कि श्री श्याम मंदिर कमेटी ने पत्र जारी कर दो दिन के लिए खाटूश्याम मंदिर बंद रहने की सूचना जारी की थी. जारी सूचना के अनुसार विशेष सेवा–पूजा व तिलक श्रृंगार के चलते खाटूश्याम जी का मंदिर बंद रहेगा.मंदिर कमेटी ने जारी कि थी सूचनाश्री श्याम मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष कालू सिंह चौहान ने बताया कि 7 अक्टूबर को बाबा श्याम की विशेष सेवा–पूजा व तिलक श्रृंगार किया जाएगा. इस कारण 6 अक्टूबर को रात 10 बजे से 7 अक्टूबर शाम 5 बजे तक आम दर्शनों के लिए बाबा श्याम का मंदिर बंद रहेगा. श्री श्याम मंदिर कमेटी ने सभी श्याम भक्तों को मंदिर खुलने के बाद भक्तों के आने की अपील की है. इसके चलते आज पूरा दिन मंदिर बंद रहेगा. आज शाम 5रू00 बजे संध्या आरती के समय बाबा श्याम के कपाट खोले जाएंगे.बाबा के तिलक श्रृंगार में लगते हैं 16 से 24 घंटेकाली अमावस्या के बाद बाबा श्याम का तिलक श्रृंगार उतार दिया जाता है, उसके बाद बाबा श्याम लगभग 7 दिन तक मूल रूप शालिग्राम में भक्तों को दर्शन देते हैं. इसके कुछ दिन बाद बाबा श्याम का विशेष तिलक श्रृंगार किया जाता है. बाबा के विशेष पूजा में 12 से 15 घंटे का समय लगता है. इसके अलावा श्याम के विशेष श्रृंगार में भी करीबन 5 से 6 घंटे का समय लगता है. इसी को ध्यान में रखते हुए बाबा श्याम के मंदिर के कपाट आम दर्शनों के लिए मंदिर के कपाट बंद रहेंगे.कौन हैं खाटूश्याम जी खाटूश्याम भीम के पोते और घटोत्कच के बेटे बर्बरीक हैं, इन्हीं की खाटूश्याम के रूप में पूजा की जाती है. बर्बरीक बचपन से ही वीर और महान योद्धा के गुण थे और इन्होंने भगवान शिव को प्रसन्न कर उनसे तीन अभेद्य बाण प्राप्त किए थे. इसी कारण इन्हें तीन बाण धारी भी कहा जाता है.

महाभारतयुद्धके दौरान भीम के पौत्र बर्बरीक कौरवों की तरफ से युद्ध में शामिल होने जा रहे थे. तब उनके पास ये तीन ऐसी तीर थे, जो पूरे युद्ध को पलट सकते थे. इसी को लेकर भगवान कृष्ण ब्राह्मण का रूप में आए और उनसे शीश दान में मांग लिया. बर्बरीक ने भी बिना संकोच किया भगवान कृष्ण को अपना शीश दान में दे दिया. तब भगवान कृष्ण ने प्रसन्न होकर बर्बरीक को कहा कि " बर्बरीक तुम्हें कलयुग में श्याम के नाम से पूजा जाएगा, तुम्हें लोग मेरे नाम से पुकारेंगे और तुम अपने भक्तों के सहारा बनोंगे".

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पाद
मौः– 8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिंन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा